भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्

नई दिल्ली-110067

'विचार वैभव' परिषद् का प्रथम हिन्दी शोध-जर्नल है जो कि विविध सामाजिक विज्ञानों के बहु-आयामी और अन्तर्विषयों सैद्धान्तिक चिन्तन तथा पद्धतिशास्त्रीय विवेचन के प्रकाशन, संप्रेषण के लिये प्रतिबद्ध है। सामाजिक उपयोगिता से जुड़े सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, शैक्षिक तथा अन्य संबद्ध क्षेत्रों में मौलिक लेखन का विचार-वैभव स्वागत करता है। सामाजिक अनुसंधत्सुओं के लिए जर्नल की उपयोगिता इसके बहु-आयामी प्रारूप में निहित है। अधिकाधिक ज्ञानार्थियों को इस प्रकाशन का लाभ मिले यह 'विचार-वैभव' का लक्ष्य है। जर्नल सामाजिक शोध से जुड़े कार्मिकों तथा शोधकर्ताओं के मौलिक शोध, मूल अवधारणाओं पर गहन संतुलित चिन्तन तथा सामाजिक महत्त्व की ज्वलंत समस्याओं/मुद्दों पर विचार-विमर्श प्रस्तुत करने और अनुभवों के आदान-प्रदान के लिए एक मंच प्रदान करता है।

इस जर्नल में निम्नांकित स्तंभ हैं : (1) शोध आलेख; (2) पुस्तक समीक्षा।

लेखकों के लिए

- कृपया अप्रकाशित लेख ही भेजे ।
- लेख **कृति देव फॉण्ट (010) 11 पॉइंट साइज (Krutidev 010, Pointsize-11)** में टाइप होना चाहिए ।
- लेख अधिकतम 3000-5000 शब्दों में होना चाहिए ।
- लेख का सारसंक्षेप 150 शब्दों में अवश्य भेजें।
- कृपया अपना संक्षिप्त परिचय अवश्य दें।
- लेख के अंत में संदर्भ, टिप्पणी, संदर्भ ग्रंथ आदि का उल्लेख अवश्य दें।
- टिप्पणी और संदर्भ सूची के अंत में संख्याक्रम और हिंदी वर्णमाला क्रम में दें।
- लेख केवल ईमेल द्वारा ही भेजे, हार्डकॉपी भेजने की आवश्यकता नहीं है।

लेख भेजने के लिए **vicharvaibhav@icssr.org**

अंतिम तिथि **30 अगस्त 2019**